Sem-6 Core-14

संपादक का कार्य, महत्त्व एवं भूमिका

डॉ. सफ़ीउल्लाह अंसारी (1)

प्रश्न: सम्पादक के कार्यों का वर्णन करें।
अथवा
उप-संपादक के महत्त्व और भूमिका का विवेचन करें।
अथवा
"उपसंपादक अखबार का अनाम योद्धा होता है या अंजान सिपाही होता है।"- इस कथन की सार्थकता सिद्ध करें।

उत्तर: वर्तमान परिदृश्य में जीवन की घटनाओं, विसंगतियों, आवश्यकताओं, उपलब्धियों और अनिवार्यताओं को सही रूप में अभिव्यक्त करने का कार्य पत्रकारिता कर रही है। प्रेस कर रहा है। मीडिया कर रही है। यह एक चुनौतीपूर्ण काम है। जोखिम भरा काम है। इसे पत्रकारिता ही कर सकती है। इस सशक्त माध्यम को सम्पन्न करने में पत्रकार, उप-संपादक और संपादक की महती भूमिका है। विशेष रूप से पर्दे के पीछे रहकर उपसंपादक ही। इसलिए उपसंपादक को अखबार का अनाम योद्धा या सिपाही अंजान कहा जाता है। अखबारों में छपाई को छोड़कर उसके पूर्व के सभी क्रिया-कलापों में उसकी प्रमुख भूमिका होती है। किन्तु उसका अखबार में कहीं भी नाम प्रकाशित नहीं होता है। पाठक यह जान नहीं पाता कि 16 से 24 पृष्ठों के समाचारपत्र आखिर में किसकी मिहनत का परिणाम है। अखबार के दफ्तर में समाचार आने से लेकर छपाई के लिए प्रेस में जाने तक लगभग हर स्तर पर उप-संपादक की दुध-न-दुध भूमिका अवश्य होती है। सभी उप-संपादकों की योग्यता और विशेषता के अनुसार उनके काम निर्धारित रहते हैं। यहाँ तक कि वे किन-किन पृष्ठों का संपादन करेंगे, यह भी तय रहता है। लेकिन मुख्य संपादक हमेशा सलाह-मशविरा के लिए मौजूद रहता है। तथा किस समाचार को कितना महत्व देना है,

Scanned with CamScanner

उसे किस आकार-प्रकार में प्रकाशित करना है, आदि का निर्धारण वही करता है। जब समाचार पत्र प्रकाशन के लिए प्रेस में जा रहा होता है, तब भी अंतिम रूप से पृष्ठ प्रभारी के रूप में उपसंपादक ही अपनी स्वीकृति देता है।

उप-संपादक के कार्य को हम इस रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं : 1. स्टोरी का संपादन, ज़रूरत पड़ने पर पुनर्लेखन। समाचार को इन्वर्टेड पिरामिड शैली में प्रस्तुत करना।

2. समाचार को भाषा, वर्तनी, व्याकरण आदि की दृष्टि से ठीक और

3. समाचार को भाषा, वर्तनी, व्याकरण आदि की दृष्टि से ठीक और व्यवस्थित करना।

4. आवश्यकतानुसार अनुच्छेद (पैराग्राफ) को छोटा या बड़ा करना।

5. अनुवाद कार्य करना।

6. आवश्यकतानुसार बैक ग्राउंडर (संदर्भ सामग्री) देना।

7. समाचार के महत्व तथा अखबार में उस समाचार के लिए उपलब्ध स्थान आदि को देखते हुए समाचार को छोटा-बड़ा करना।

8. पृष्ठ पर समाचार का स्थान एवं आकार (कॉलम आदि) निर्धारित करना।

9. शीर्षक लगाना।

10. प्रूफ रीडिंग करना।

11. पेज मेकअप में सहयोग करना। अब तो पेज मेकअप का कार्य भी उप-संपादक को ही सौंपा जा रहा है।

इस तरह संपादक के ऊपर अखबार की पूरी जिम्मेदारी रहती है। वह अवस्था से लेकर कानूनी मसला आदि देखता है। वही उसका संपादन और निर्माण का भार वहन करता है।

—×—

डॉ० सफीउल्लाह अंसारी
एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
हिन्दी विभाग, करीम सिटी कॉलेज
जमशेदपुर, झारखण्ड-831001

Scanned with CamScanner